मान्यवर,

आपके द्वारा प्रेषित पत्र प्राप्त हुआ। डॉ. पीयूष सक्सेना की थेरेपी के बारे में मेरे विचार से तीनों थेरेपी ही अपने आप में महत्वपूर्ण हैं और इसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सभी थेरेपी सस्ती, सरल एवं सर्व सुलभ है।

हरी सब्जियों के जूस और जोड़ों के दर्द (अर्थराईटस) के इलाज के बारे में जहां तक मेरा अनुभव यह है कि ग्रीन जूस से मुझे तो काफी आराम मिला है, क्योंकि मुझे पैरों में काफी दर्द रहता था। सुबह उठने की इच्छा ही नहीं होती थी, उठती थी तो अपने आपको फ्रेश महसूस नहीं करती थी। इससे मुझे अत्याधिक लाभ पहुंचा है और इसे बनाने में कोई परेशानी भी नहीं है, क्योंकि सभी चीजें हमारी किचन में ही हमें उपलब्ध रहती हैं।

**श्रीमती रजनी कालरा**

५/४, अर्चना कॉम्पलेक्स,

केन बँक ऑफ फ्लैट्स,

साउथ टी.टी.नगर, भोपाल।

**मोबाईल नं.**- ९३०३११००३८

माननीय महोदय,

मेरे पिताजी एक डॉक्टर हैं। उनकी उम्र अब ७३ साल है। मार्च २००५ में उन्हें पित्ताशय (पथरी) का जोरदार अटैक आया। दिन और रात दर्द से परेशान रहते थे। बार-बार उल्टी आना एवं जी घबराना आम था। पसीने से तर उन्हें देख मुझे बड़ा ही दु:ख होता था। पर मैं क्या करता? हमने कई टेस्ट कराये, उन्हें १४ एम.एम. का गालस्टोन था। हमें बताया गया कि आप तुरंत ही लिथो ट्रिप्सी करा लें। या शायद सर्जरी के जरिये पित्ताशय को काटना पड़ सकता है। पर मेरे पिताजी को सर्जरी से बड़ा डर लग रहा था।

अचानक एक दिन मैंने स्थानिक बुक स्टॉल पर 'हेल्थ और न्यूट्रीशन' जून २००५ का अंक देखा। उसके मुख्य पृष्ठ पर ही लिखा था- पित्त-पथरी का सफल इलाज बिना ऑपरेशन के' वह हरे रंग के शब्द मेरे लिए किसी भगवान के आशीर्वचन से कम नहीं थे। मैं बड़ी बेसब्री से जुलाई-२००५ के अंक का इंतजार करता रहा। जुलाई के अंक

में डॉ. साहब ने लिवर क्लीजिंग प्रक्रिया की विस्तृत ढंग से जानकारी लिखी थी। पूरी जानकारी पढ़ने के बाद मैंने डॉ. साहब का फोन नंबर पता लगवाया और उनसे फोन संपर्क किया। उन्होंने फोन पर ठीक से हर चीज समझाई। साथ में उन्होंने अपने पुराने आर्टिकल्स भी मुझे कुरिअर से भेजे ताकि मैं किडनी क्लिंज, हरी सब्जियों के ज्यूसवाले उपचार समझ सकूं।

पूरी थेरेपी पढ़ने या समझने में जितनी कठिन लगती है, उतनी करने में बहुत ही सरल और सुगम है। डॉ. पीयूष जी ने मुझे बताया कि पहले मैं खुद यह थेरेपी अपने आप पर आजमाऊं। मेरा वजन पिछले लगभग दस सालों से ९९ से १०० किलोग्राम था। मैंने अपना पहला लिवर क्लिंज किया। वाकई वह सोमवार जिसे मैं आज भी भुला नहीं पाया हूँ, मेरे जीवन में चमत्कार ले आया। मैं अपने आपको काफी फ्रेश और एनर्जेटिक

महसूस कर रहा था। मैं अब तक इसे चार बार आजमा चुका हूँ। प्रत्येक सफल क्लींज में मेरा वजन कम होता गया। आज मेरा वजन ८९ कि.ग्रा है। पूरी थेरपी समझने और आजमाने के बाद मैंने मेरी पत्नी को अब तक तीन बार लिवर क्लींज और पिताजी को किडनी क्लींज की प्रकिया आजमाई। साथ में पिताजी ने कुछ प्राणायम् भी किये और विशेष फुड सप्लीमेंटस् लिये। आज मेरे पिताजी स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। हमने बाद में सोनोग्राफी करवाई तो न जाने वह गालस्टोन कहां चला गया। १४ एम.एम. का गालस्टोन जो बिना लिथोट्रीप्स या सर्जरी के जरिये नहीं निकाला जा सकता था, वह इन थेरपियों से निकल गया।

मैं अपने परिचितों को लिवर क्लींज के बारे बताता रहता हूं।

मुझे बेहद खुशी है कि डॉ.पीयूषजी यह किताब जनहित हेतू निकालने जा रहे हैं। बस

मेरा तो यही सुझाव है कि आप उसे मामूली आदमी की पहुंच तक पहुंचायें। ताकी रह कोई आरोग्यपूर्वक जीवन व्यतीत कर सके। आपने मुझे खत लिखकर आपको मेरा अनुभव और सुझाव भेजने को कहा यह मेरा सौभाग्य है। अब जल्दी से इंतजार है, 'खुद का इलाज खुदके हाथ' का ।

सादर धन्यवाद।

**-संदीप बी. झवर**

१, तारा अपार्टमेन्ट,

गणपती नगर,

जलगांव- ४२५००१

**मोबाईल**- ९४२२७७८६९०

**आ. सागर यादव जी,**

सादर नमस्कार।

डॉ. पीयूष सक्सेना और उनकी क्लींजिंग थेरेपियों से मेरा परिचय 'हेल्थ और न्यूट्रिशन' प्रत्रिता के माध्यम से हुआ था। इस सदर्भ में आपने मुझसे मेरे अनुभव व सुझाव मांगे। सो, इस पत्र के माध्यम से मैं इन्हे प्रेषित कर रहा हूं।

डॉ.सक्सेना जी की क्लींजिंग थेरेपियों का अध्ययन करने के बाद उन्हें आजमाने की बहुत इच्छा थी पर चूंकि भीलवाड़ा एक छोटा शहर है इस कारण इन थेरेपियों में उपयोग में लाये जाने वाली निम्न समाग्रियां यहां उपलब्ध नहीं हो पायीं।

१. एपल साइडर विनेगर

२. एप्समं साल्ट (नाथ)

३. एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल

४. एप्सम साल्ट

मैं सी.ए. (अंतिम वर्ष) का छात्र हूं और अपनी final class करने के लिये ८-१० महीने इंदौर भी रहा पर इंदौर जैसे बड़े शहर में

भी यह सामग्री उपलब्ध नहीं हो पायी। मेरी आयु २८ वर्ष है और पिछले ३-४ साल से हॉस्टल/बाहर का भोजन और पढ़ाई आदि से उत्पन्न तनाव आदी के कारण स्वास्थ्य (विशेषकर पाचन क्षमता) पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। डॉक्टर इसकी वजह लीवर की कमजोरी बताते हैं। इस कारण लीवर क्लींज करने की बहुत इच्छा थी पर सामग्री उपलब्ध नहीं हो पायी। मेरी मम्मी (श्रीमती रेखा मोदी ) की आयु ५५ वर्ष है। उन्हें कई सालो से हाई ब्लड प्रेशर व आर्थराइटिस की समस्या है। इस कारण उनकी भी इच्छा है कि वह डॉ सक्सेना द्वारा आर्थराइटिस पर बतायी गयी थेरेपी को आजमाये पर सामग्री के अभाव में यह संभव न हो सका। पर उन्होंने किडनी क्लींज के अन्तर्गत बताये उपायों में से भूट्टे के बाल उबालकर पीने का प्रयोग किया। इससे उन्हें काफी फायदा हुआ जैसे ब्लड प्रेशर नार्मल होना, गहरी नींद आना, तनाव व घबराहट पर नियंत्रण आदि। वे अब नियमित

अन्तराल पर यह प्रयोग दोहराती हैं।

डॉ सक्सेना के जनहित के इस अभियान के संदर्भ में मेरे दो सुझाव हैं-

१. मेरा आपको सुझाव है कि इन क्लींजिंग थेरेपियों में प्रयोग लायी जाने वाली सामग्री बड़े शहरों में कहां-कहां उपलब्ध हो सकती है इसकी जानकारी अपनी पुस्तक में दें।

(२) मैग्ना पब्लिशिंग का मुम्बई में food store है मेरा आपके माध्यम से company को सुझाव है कि वह पाठकों को डॉ.सक्सेना की थेरेपियों में प्रयोग लायी जाने वाली सामग्रियां डाक के माध्यम से भेजने की व्यवस्था करें। जैसे- एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल, एप्सम साल्ट, एपल साइडर विलेगर आदि।

इन सुझावों के संदर्भ में कोई व्यवस्था अगर प्रारम्भ हो गई हो तो आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप अपने मूल्यवान समय में से कुछ समय निकालकर निम्नलिखित पर मुझे सूचित करने का प्रयास करें। मैं आपका सदैव आभारी रहूंगा।

cagaurav18@yahoo.co.in

cagm@rediffmail.com

अभी समय के अभाव में मैं डॉ सक्सेना की थेरेपियों को अपने मिंत्रों और परिचितों तक ज्यादा नहीं पहुंचा पा रहा हूं। पर भाविष्य में विशेषकर इन थेरेपियों के पुस्तक रूप में प्रकाशित होने के बाद मैं इसे अपने सभी परिचितों तक आसानी से पहुंचा सकूंगा। मैं डॉ. सक्सेना को हृदय से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने अपने ज्ञान व अनुमन से सामान्य लोंगो को स्वास्थ रहने के बहुमूल्य उपाय बताये। मैं ईश्वर से उनके जनहित व राष्ट्रहित के इस अभियान की सफलता की प्रार्थना करता हूं। इस संदर्भ में मैं अगर कोई भूमिका निभाने योग्य समझा जाऊं तो आप मुझे नि:सकोच संपर्क कर सकते है।

**- गौरव मोदी,**

कंचन निवास, आजाद चौक,

भीलवाड़ा - ३११००१ (राजस्थान)

**फो.**-०१४८२-२३७४३१

**विषय - प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा घुटने के दर्द में राहत।**

**माननीय महोदय,**

मैं करीब तीन साल से घुटनों के दर्द से परेशान थी। मेरे दोनों घुटनों में असहनीय दर्द होता था। उठना-बैठना मुश्किल हो गया था। एक दिन मैंने डॉ० पीयूष सक्सेना का हेल्थ पत्रिका में प्राकृतिक चिकित्सा पर लेख पढ़ा। लेख में बताये अनुसार मैंने अर्थराइटिस का उपचार शुरू किया। एक हफ्ते के उपचार के बाद ही मुझे आराम मिलना शुरू हो गया। एक महिने के इलाज के बाद अब मुझे घुटनों के दर्द में पूरा आराम हो गया हैं। डॉ. साहब जनहित एवं राष्ट्रहित के इस अभियान में अवश्य सफल होगें।

भवदीया

**श्रीमती विनीता सिंह**

दर्शन गीता नगर, फेज-१,

१०२, ए–विंग, मीरा रोड- (पू.),

थाने- ४०११०७

फोन नं.- २८१२११५२

प्रति डॉ.पीयूश सक्सेना —श्री सागर यादव बी.४०२,साई सध्दा,लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास वीरा देसाई रोड़, अंधेरी (प.) मुम्बई -४०००५८

आज के वर्तमान युग में ऐसी कोई चिकत्सा पध्दति प्राप्त हो जाये, जिससे हम स्वयं का इलाज खुद ही कर सकें तो शायद इससे अच्छी बात कुछ हो ही नहीं सकती। ऐसी पध्दति डॉ. पीयूष सक्सेना की क्लींजिंग थेरेपी है। मैंने स्वयं भी इस पध्दति से अपना इलाज किया एवं आज मैं १०० प्रतिशत स्वस्थ हूँ। आज के इस युग में क्लींजिंग थेरेपी एक वरदान है। मैं डॉ. पीयूष सक्सेना का बहुत बहूत आभारी हूं तथा इस पत्र के द्वारा कहना चाहता हूं कि कृपया क्लींजिंग थेरेपी का उपयोग करके आप भी अपने स्वास्थय को १०० प्रतिशत ठीक कर सकते हैं।

पुन: धन्यवाद के साथ।

भवदीय

**के.आर. मेहर,**

अलकापुरी, रतलाम।

फो.- ०७४४१२-२३९५००/२००२०१

माननीय डॉ.साहिब,

मुझे जानकर बड़ी खुशी हुई कि अब आप अपनी क्लीजिंग थेरेपियों (किडनी क्लींज, लिवर क्लींज और जोडों के दर्द के इलाज) को जनहित हेतू पूर्णतया सेवाभाव के उद्देश्य से उसे 'खुद का इलाज खुद के हाथ' पुस्तक के रुप में दे रहे हैं। इस जनहित और सेवाभाव पूर्ण कार्य के लिये आप वाकई में सम्मान के पात्र हैं और ईश्वर से मेरी यही कामना है कि आपको दीर्घायु एवं सेवाभाव प्रदान करे, जिससे आप जन कल्याण करे सके ।

जैसा कि आपने मेरे अनुभव के बारे में जानना चाहा है, तो मै आपको बता दूं कि मैंने आपके द्वारा बताई      कि क्लींज प्रक्रिया के तहत भुट्टे के बालो को पानी में उबालकर पिया। इस प्रक्रिया के दौरान मैंने स्वयं को तरोताजा महसूस किया और बार-बार मूत्र त्याग की भी इच्छा होती थी। मगर घुटनों में दर्द और सूजन एवं Uric Acid Con-

trol न होने पर मैंने आपके द्वारा बताये Apple Side Vinegar का उपयोग करीब तीन माह तक किया। उपचार प्रकिया से लेकर अभी तक न तो सूजन और दर्द हुआ, न ही हुआ यह प्रक्रिया मैने November 2006 से January 2007 तक अपनायी थी। मैं अपनी समय-समय पर करायी गयी Uric Acid की रिपोर्ट भी लिख रहा हूं। अगर मेरे इलाज के लिये और कोई दिशा निर्देश हो तो मुझे अवश्य ही अवगत करायें जिससे मैं आपका सदैव कृतज्ञ रहूंगा। पुनः आपकी पुस्तक के प्रकाशन पर आपको हार्दिक शुभकामनायें।

आपका,

**नरेश कुमार विधानी**

३९-सी, कंवर नगर,

चान्दी की तकसाल के पास,

जयपुर- ३०२००२

आदणीय डॉ. साहब,

सादर नमस्कार।

मैंने आपके द्वारा बताई गयी 'लिवर कलींज' थेरेपी ली थी, उससे मुझे एसिडिटी व जोड़ों के दर्द तथा (constipation) कब्ज में बहुत लाभ हुआ यहां तक कि मैं हस्ताक्षर भी नहीं कर पाती थी तथा application व अन्य letter लिखना दूर की बात थी। अब मुझे काफी फायदा है। मैं पेशे से Govt. College में lecturer हूं। मैं आपकी बहुत आभारी हूं।

धन्यवाद।

**आपकी भवदीया,**

अनिया राठौर,

डी-३७८, मालवीया नगर,

जयपुर।

गवर्नमेंट कॉलेज, सरदार शहर (चुरू)

श्रीयुत यादवजी,

नमस्कार।

आपका पत्र मिला। डॉ. पीयुष जी के द्वारा निकाली जा रही पुस्तक 'खुद का इलाज खुद के हाथ' जानकर बड़ी प्रसन्नता हुई। आज के युग में इसी तरह के सस्ते व हानिरहित इलाज की आवश्यकता है। पुस्तक प्रकाशित होते ही कृपया एक प्रतिलिप हमारे पास अवश्य भिजवाएं। जो मूल्य होगा, वह हम देने को तैयार हैं।

पूर्व में हम जोड़ों के विषय में जानकरी लिये थे परंतु इससे संबंधित हमारे यहां उपलब्ध न होने के कारण हम इसका उपयोग नहीं कर सके। हमने exercise के द्वारा ही अपने आप को fit बनाये रखा है।

डॉ.साहब को बहुत-बहुत शुभकामनायें। योग्य सेवा हेतू सूचित करें। धन्यवाद।

भवदीय

**रमण अग्रवाल**

ए-६५, गणेश नगर, फिरोजाबाद,

**मोबाइल-** ९८३७०८५१३५

आदरणीय श्री स्वी स्नेह सागर यादव जी को अल्मोड़ा से लिखि अजय अग्रवाल का सह्रदय नमस्कार।

**आपका ६ मार्च, २००७ के पत्र के सन्दर्भ में**

प्रिय महोदय,

आज के युग में व्यक्ति हर मर्ज का निदान तुरंत व तीव्र विधि से चाहता है व उस विधि के दुष्परिणाम की चिन्ता नहीं करता है। किन्तु डॉ. पीयूष सक्सेना की जो विधि है, वह अत्यंत सुगम व सरल है एवं हर व्यक्ति, हर वर्ग के लिए इस विधि का प्रयोग करना बहुत ही आसान है चूंकि यह पध्दति उसे नि:शुल्क उपलब्ध है व बेहद कम, ना के बराबर खर्च पर इस पध्दति से लोग स्वयं को बेहद खतरनाक व जानलेवा बीमारियों जैसे Kidney Failure, Liver Failure व जोड़ों के दर्द की असाध्य बीमारी आर्थराइटस से निजात पा सकते हैं एवं पा रहे हैं। मैं मानता हूं कि हजारों लोग अब तक इस क्लींजिंग थेरेपी से फायदा उठा चुके हैं व भविष्य में लाखों-करोड़ों लोग इस विधि से फायदा उठायेंगे।

मैं स्वयं व मेरा भाई संजीव अग्रवाल आपकी (डॉ. सक्सेना) विधि से लाभ उठा चुके हैं व अन्य लोगों को भी इसके बारे में लगातार सूचित कर रहा हूं। जहां तक

मेरी जानकारी है अब तक पूरे जगत में इस तरह की थेरेपी के बारे में केवल डॉ. सक्सेना से ही जानकारी मिली, अन्य कहीं इसकी चर्चा नहीं सुनी।

मेरा इस थेरेपी को इस्तेमाल के बाद यही कहना है कि बिना खर्च, असाध्य रोगों का इलाज वह भी घर पर। धन्य हैं डा. सक्सेना! मैं इन्हें कोटि–कोटि प्रणाम करता हूं। ऐसा शख़्स, जो निःस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा में तत्पर है। मैं तो स्वयं इस Medical लाइन व समाज से जुड़ा व्यक्ति हूं एवं एलोपैथी के हर रूप से रूबरू हो चुका हूं व दिल्ली के विभिन्न Hospital व उनके डॉक्टरों से जुडा हूं- Escort Heart Institute (Delhi), Fortis (Noida), VIMHANS (Delhi), Batra (Delhi), Metro (Noida), Sri Ganga Ram (Delhi).

किन्तु जो नैचुरोपैथी से जुड़ा व उसे जान पाया वह फिर अन्य पैथी की तरफ नहीं जायेगा।

धन्यवाद।

आपका मित्र,

**अजय अग्रवाल**

कारखाना बाजार,

अल्मोड़ा - २६३ ६०१ (उ.अ.)

**मो.**: ९४१२९२७५९३

मैं एक मार्केटिंग प्रोफेशनल हूं। हमें अपने प्रेजेन्टेशन का हमेशा ध्यान रखना होता है। मेरे बढ़ते वजन मूल रूप से उदर (पेट) के साइज में काफी इजाफा हो चुका था। हमेशा मेनेजमेंट की चुभती निगाहों का सामना करना पड़ता था। फिर अचानक मेरे दोस्तों ने लिवर क्लींजिंग करने की सलाह दी। तब तक मैं मोटापा कम करने के सारे मॉडर्न तरीकों से हताश हो चुका था, फिर सोचा क्यों न एक बार नेचुरोपैथी की जांच की जाये। दोस्तों के बताये हुए तरीके (विधि) द्वारा मैंने लिवर क्लींज किया। पहली बार ही मैंने जो महसूस किया, शायद मैं इसे बयान नहीं कर सकता हूं। एक आश्चर्य रूप से निकली विषैली गन्दगी से, शरीर में हल्कापन एवं स्फूर्ती आ गयी, जो मेरे पेट का भारीपन उसी दिन खत्म हो गया। तब

मुझे दृढ़ विश्वास हो गया कि अब मुझे शरीरिक फिटनेस का मूल मंत्र मिल चुका है। दो सप्ताह के बाद दुबारा कराने के बाद मैने स्थायी रूप से ४-५ कि.ग्रा. वजन भी कम हो गया। मैं अब अपने अंदर एक नया जोश महसूस करता हूं और दिल से अपने अन्य मित्रों एवं जाननेवालों को लिवर क्लींज के बारे में बताता हूं। साथ ही इसे करने के सारे फायदे बताता हूं और अपने दोस्त श्रीमान योगश कुमार एवं उनके स्त्रोत श्रीमान पीयूष सक्सेना जी का दिल से धन्यवाद करता हूं।

**विजय प्रसाद उम्र:** (३२)

दिल्ली - ९५

महोदय,

बहुत खुशी की बात है कि आपने डॉ. सक्सेना जी की क्लींजिग थेरेपी के बारे में मुझसे मेरे अनुभव जानने चाहे। वो काफी सुखद व अच्छे रहे हैं। मैं सबसे पहले आपको बताऊं कि मैं दिसंबर २००५ में **'हेल्थ और न्यूट्रीशन'** पत्रिका में छपी विशाल गुप्ता की दास्ता को पढ़ा।

फिर उससे प्रभावित होकर मैने डॉ. सक्सेना जी से फोन पर बात की, तब उन्होंने मुझे क्लींजिंग के विषय में बताया। मैंने उसी समय बाजार से सामान लाकर प्रयोग शुरू किया, जो इस प्रकार हैं ।

1 Tab. Gentac

4 Tan Epsum Salt

1 Dozen Mosumbi Juice

1 Kg. Bhutte Ke Bal

मुझे जो अनुभव प्राप्त हुए वो इस प्रकार हैं

१) मेरा वजन ६७ से ५४ कि.ग्रा. पर आ गया। (२८ दिसंबर, २००५)

दुसरी बार ६० से ५९ कि.ग्रा. पर आ गया। (२५ फरवरी, २००६)

तीसरी बार ६० से ६० कि.ग्रा. पर ही रहा। (२८ मार्च, २००६)

२) बायें हाथ के अगूंठे के पीछे मांस की एक गांठ बन गई थी, वो नदारद थी।

३) Dust धूल एवं पेट्रोल से एलर्जी थी, वो खतम हो गई।

४) त्वचा में अच्छी चमक आ गई।

५) नाखूनों में अच्छी चमक आ गई तथा नाखून अर्धचंद्राकर दिखने लगे।

६) कफ-सर्दी में काफी आराम आ गया। सीढ़ियां चढ़ने में सांस फूलती थी वो बन्द हो गया।

७) बायें हाथ में तथा कन्धे में काफी महिनों से दर्द था, वो बिल्कुल ठीक हो गया था।

८) शरीर  में जोश, फूर्ती एवं चंचलता काफी अच्छी मात्रा में आ गई। नया जीवन, नया विचार, नई उमंगें

९) कोलेस्ट्रॉल में काफी कमी आ गई थी २६० से १८०आ गया था ।

१०) बस, अब डॉ. सक्सेना से पूछना है कि इसे माह में एक बार कर सकते हैं क्या?

**सुरेश बागरा**

बी-पंचशील अपार्टमेन्ट,

संगम सिनेमा के पास, अंधेरी कुर्ला रोड,

मुंबई-  ४०००९३

श्रध्देय श्री यादव,

श्रध्दा नमन प्रणाम !

आपका पत्र श्रध्देय श्री पीयूष जी के लेख, जो 'हेल्थ' मासिक पत्रिका में छपे थे, के विषयों के सम्बन्ध में प्राप्त हुआ। मैं उनसे बहुत प्रभावित हुआ। वास्तव में श्री पीयूष जी ने समाज कल्याण हेतू जन-जन तक नैचुरोपैथी को पहुंचाने के लिए जो कार्य किया, वह बहुत ही सराहनीय है। मैंने अभी तक एक बार लिवर क्लींजिंग उनके द्वारा लिखे गये लेखों के अनुसार किया है। एक बार किडनी क्लींजिंग को भी अमल में लाया है, जिसे अपनाने में मुझे कोई असुविधा नहीं हुई। उपरोक्त से मुझे कुछ लाभ अवश्य महसूस हुआ है क्योंकि मैं ६० वर्षीय प्रौढ़ व्यक्ति हूं और कई बीमारियों से ग्रसित हूं। जैसे घुटनों में दर्द (अस्टीओ आर्थराईट), हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा एवं हृदय समस्या है, इसलिए मुझे २-३ बार और लिवर एवं किडनी क्लींजिंग करनी होगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि श्री पीयूष जी के नैचुरोपैथी इलाज एवं उनकी कृपा से मैं अवश्य और लाभ प्राप्त कर सकूंगा।

मेरी उस परमपिता परमात्मा गोविंद से प्रार्थना है कि वह पीयूष जी को सदा आनन्द से भरपूर रखे।

जब श्री पीयूष जी की पुस्तक छप जाये तो कृपया मुझे सूचित करने की अवश्य ही कृपा करें, जिसके लिए मैं आपका आभारी रहूंगा ।

शुभकामनाओं एवं आदरसहित,

आपका बन्धूवर एवं स्नेह पात्र

**के.सी. शर्मा**

के/ऑ. श्री संजीव शर्मा,

सी-१६१, केंद्रीय विहार,

सेक्टर-५१,

नोएड़ा- २०१३०१ (यू.पी.)